मगर :क्रोकोडाइल

हाल ही में भारतीय रेलवे ने पश्चिमी राजस्थान के पाली ज़िले में मगर क्रोकोडाइल या मार्श मगरमच्छ के अस्तित्व को सुनिश्चित करने हेतु पानी पहुँचाया है क्योंकि इस क्षेत्र के जल निकाय मार्च महीने मे अधिक तापमान होने के कारण, सूख गए हैं।

मगर क्रोकोडाइल या मार्श मगरमच्छ

- **वैज्ञानिक नाम: क्रोकोडिलस पोरोसस (Crocodylus palustris)**
- **विवरण:**
  - यह अंडा देने वाली और होल-नेस्टिंग स्पेसीज़ (Hole-Nesting Species) है जिसे खतरनाक भी माना जाता है।
- **आवास:**
  - यह मुख्य रूप से भारतीय उपमहाद्वीप तक ही सीमित है जहाँ यह मीठे जल के स्रोतों और तटीय खारे जल के लैगून एवं मुहानों में भी पाई जाता है।
  - यह भूटान और म्याँमार में यह पहले ही विलुप्त हो चुकी हैं।
- **खतरे:**
  - आवासों का विनाश और विखंडन एवं परिवर्तन, मछली पकड़ने की गतिविधियाँ तथा औषधीय प्रयोजनों हेतु मगरमच्छ के अंगों का उपयोग।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN की संकटग्रस्त प्रजातियों की रेड लिस्ट:** सुभेद्य
  - **CITES:** परिशिष्ट- I
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**: अनुसूची- I

मगरमच्छ की अन्य प्रजातियाँ

- **खारे पानी का मगरमच्छ:**
  - यह पृथ्वी पर सबसे बड़ी जीवित मगरमच्छ प्रजाति है, जिसे विश्व स्तर पर एक ज्ञात आदमखोर (Maneater) के रूप में जाना जाता है।
  - यह मगरमच्छ ओडिशा के **भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान**, पश्चिम बंगाल में **सुंदरवन** तथा **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** में पाया जाता है।
    - यह दक्षिण-पूर्व एशिया और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में भी पाया जाता है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची:** कम चिंतनीय (Least Concern)
  - **CITES:** परिशिष्ट- I (ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी की आबादी को छोड़कर, जो परिशिष्ट- II में शामिल हैं)।
  - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची- I
- **घड़ियाल:**
  - इन्हें गेवियल भी कहते हैं, यह एक प्रकार का एशियाई मगरमच्छ है और अपने लंबे, पतले थूथन के कारण अन्य से अलग होते हैं जो कि एक बर्तन (घड़ा) जैसा दिखता है।
  - घड़ियाल की उपस्थिति स्वच्छ नदी जल का एक अच्छा संकेतक है।
  - यह प्रजाति ज़्यादातर हिमालयी नदियों के ताज़े पानी में पाई जाती है।
  - विंध्य पर्वत (मध्य प्रदेश) के उत्तरी ढलानों में **चंबल नदी** को घड़ियाल के प्राथमिक आवास के रूप में जाना जाता है।
  - अन्य हिमालयी नदियाँ जैसे- **घाघरा**, गंडक, गिरिवा, रामगंगा और सोन नदियाँ इसके द्वितीयक आवास हैं।
  - **संरक्षण स्थिति:**
    - **IUCN** संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
    - **CITES:** परिशिष्ट- I
    - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची- I
  - ओडिशा ने महानदी नदी बेसिन में घड़ियालों के संरक्षण के लिये 1,000 रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. यदि आप घड़ियाल को उनके प्राकृतिक आवास में देखना चाहते हैं, तो निम्नलिखित में से किस स्थान पर जाना सबसे सही है?(2017)

(a) भितरकनिका मैन्ग्रोव
(b) चम्बल नदी
(c) पुलिकट झील
(d) दीपोर बील

उत्तर: (b)

प्रश्न. निम्नलिखित भारतीय प्राणजात पर विचार कीजिये:(2013)

1- घड़ियाल
2- चर्मपीठ कूर्म (लेदरबैक टर्टल)
3- अनूप मृग

उपर्युक्त में से कौन-सा/से संकटापन्न है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) 1, 2 और 3
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (c)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mugger-crocodile